एकल नारी की आवाज

vid % 30] ekg % uoEcj] o"k % 2012] futh izlkj gsrq

राज्य स्तरीय मुस्लिम एकल महिलाओं का सम्मेलन आयोजित

दिनांक 11-13 अक्टूबर, 2012 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में मुस्लिम एकल महिलाओं का राज्य स्तरीय सदस्य सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें राजस्थान के 18 जिलों तथा झारखण्ड व गुजरात सहित 105 मुस्लिम एकल महिलाओं ने भाग लिया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम एकल महिलाओं की मुख्य समस्याओं की पहचान व विश्लेषण करना, संगठन का महत्व व ढ़ाचा समझना, सामाजिक रिति रिवाज व कुरितियों को जानना, मुस्लिम पर्सनल लॉ व भारतीय कानून की जानकारी, अल्पसंख्यक मामलात् विभाग की एकल महिलाओं से सम्बधित योजनाओं को जानना, शिक्षा, स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जानना, एकल महिलाओं की स्थिति, पुरुष प्रधान समाज व सामप्रदायिकता को समझना व मुस्लिम महिलाओं की शक्ति है, जानना था।

तीन दिवसीय सदस्य सम्मेलन में महिलाओं को अलग-अलग सन्दर्भ व्यक्ति द्वारा जानकारी दी गई। जिसमे एडवोकेट मुनाज़िर ईस्लाम द्वारा महिलाओं के शरीयत लॉ, हिन्दू भारतीय कानून जिसमें तलाक, इद्दत राशि, मेहर, भरण पोषण, सम्पत्ति सम्बन्धित अधिकार व घरेलू हिंसा अधिनियम-2005 के बारे में महिलाओं को बताया। उन्होने बताया कि **''अधिकार, हूकूब व हक अकेला नही है अधिकार के साथ कर्तव्य भी जुड़े हैं। लेकिन पुरुष प्रधान समाज में पुरुष केवल अपने हक, अधिकार की बात करता है। यह गलत अफवाह व झूठ है कि मुसलमान महिलाओं को कोई अधिकार नही है। यदि शरीयत लॉ को देखते हैं तो बचपन से लेकर बुढ़ापे तक ईस्लाम में महिलाओं को बहुत हक दिये गये हैं।''**

भारतीय मुस्लिम महिला आन्दोलन से श्रीमती

मुस्लिम एकल महिला सम्मेलन में नारे लगाती हुई सदस्य तथा इन्सेट में जानकारी देते संदर्भ व्यक्ति

निशात हुसैन द्वारा महिलाओं को आन्दोलन के बारे में जानकारी दी गई कि आन्दोलन 12 राज्यों में मुस्लिम महिलाओं के हक अधिकार के लिए आन्दोलन कर रहा है। महिलाओं को अपनी शक्ति अपने अधिकार हमें समझने होगे। और अपने हक अधिकार के लिए चार दिवारी से निकलकर बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि हर लड़की को शिक्षा व जीवन साथी चयन करने का अधिकार है। साम्प्रदायिकता के बारे में उन्होने कहा कि दंगो के कारण सबसे ज्यादा आहत, पीड़ा व नुकसान महिला व बच्चों का ही होता है। इतिहास साक्षी है कि हम महिलाओं ने हमेशा शान्ति ही चाही है। इसलिए हम महिलाओं का हमेशा यही प्रयास रहा है कि देश मे प्रेम, सोहार्द व भाईचारा बना रहे। और सभी शान्ति से जीये।

गरीब नवाज महिला एंव बाल विकास समिति, अजमेर से सचिव शगुफ्ता खान द्वारा महिलाओं को सरकार के अल्पसंख्यक विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही स्वंय सहायता समूह के बारे में भी बताया गया।

डा0 जैनब बानो द्वारा पुरुष प्रधान समाज पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि ''जिस घर में पति, बेटा, भाई की चलती है तो वह पुरुष प्रधान परिवार है। सदियों से कहते आ रहे हैं कि मर्द मजबूत है, औरते कमजोर हैं। इस्लाम कुरान से आया है और कुरान में कही नही लिखा कि औरत कमजोर है। बल्कि औरत को खुदा ने दो नेमत ज्यादा दी है वह है कोख व स्तन। यह तोहफा है खुदा का औरत को और आदमी ने उसे महिला की कमजोरी मान लिया और वहीं से शुरु हुआ सामाजिक भेदभाव।'' उन्होंने बोहरा समाज की एकल महिलाओं की स्थिति पर भी प्रकाश डाला। साथ ही उन्होने बताया कि एक सांस मे तीन तलाक नही होती नियम है कि तीन माह में तीन तलाक होती है।

आस्था संस्थान से श्याम जी द्वारा महिलाओं

-शेष पृष्ठ-2 पर.....

तीन दिवसीय जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन आयोजित

संगठन की ओर से आयोजित जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन में महिलाओं की विशेष समस्याओं को निकाल कर उन्हें एक साथ रख ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन व सरकार को अवगत करवाया जाता है। जिससे समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो सके। इस हेतु संगठन की ओर से दिनांक 3 से 5 अक्टूबर, 2012 तक बांगड़ धर्मशाला, रेलवे स्टेशन के पास, जिला पाली में यह सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में जिले के 5 ब्लॉकों (मारवाड़ जंक्शन, सोजत, रायपुर, जैतारण, रोहट) की 200 महिलाओं ने जोश व उत्साह के साथ भाग लिया।

सम्मेलन का मुख्य उद्वेश्यों में एकल महिलाओं की समस्याओं की पहचान करना, विश्लेषण करना, संगठन का महत्व व त्रिस्तरीय ढांचा समझना, आम सदस्यों की भूमिका पर प्रकाश डालना, महिलाओं से संबन्धित कानून जानना, राजनितिक व प्रशासनिक ढांचा समझना था।

''बहणा चैत सके तो चैत जमानो आयो चैतण रो'', हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी हैं, इस प्रकार के जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ वातावरण निर्माण कर सम्मेलन के प्रथम दिन की शुरूआत की गई। तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान बहनों को 8 छोटे-छोटे समूहों में बैठा कर उनकी समस्याओं की पहचान व विश्लेषण किया गया। जिसमें मुख्य समस्याऐं निकल कर आई उनमें बेटे रोटी नहीं देते हैं, समाज में मान-सम्मान नहीं है, विधवा होने पर जमीन सम्पत्ति छीन ली जाती हैं,

सम्मेलन के दौरान रैली निकालती हुई सदस्याऐं

अपशकुनी व डाकन कहकर अत्याचार किया जाता है, पेंशन राशि समय पर नहीं मिलती है। इन्ही समस्याओं के समाधान के लिए सम्मेलन में विभिन्न विभागों से संदर्भ व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था। जिसमें समाज कल्याण विभाग से आये सहायक निदेशक चन्द्रशेखर चौधरी ने विधवा एकल महिलाओं से संबन्धित विभागीय जानकारी दी। नायब तहसीलदार श्री कृपाराम जी द्वारा महिलाओं को जमीन संबन्धित अंतकाल खाते की प्रक्रिया, वसीयत नामा, जमीन अलोर्टमेन्ट की जानकारी विस्तार से दी।

सम्मेलन में संगठन सदस्यों नेनी बाई, हंजा, नोसी बाई, मोहनी बाई ने अपने जीवन की सच्ची कहानी भी सभी के सामने प्रस्तुत की। एडवोकेट जगदीशचन्द्र राजपुरोहित द्वारा महिलाओं को संपत्ति संबन्धित अधिकार, भरण पोषण, डायन-डाकन, घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में बताया गया। पंचायती राज विभाग में सुभाष जी

-शेष पृष्ठ-2 पर.....

एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से खाद्ध सुरक्षा सम्मेलन आयोजित

''गौदामों के ताले खोलो, सबको सस्ता अनाज, तेल व दाल दो।''

भूख और कुपोषण मुक्त राजस्थान के लिए रोजी-रोटी अधिकार अभियान-राजस्थान द्वारा दिनांक 29 सितम्बर से 9 अक्टूबर, 2012 तक एक ''**खाद्य अधिकार यात्रा**'' आयोजित की गई। इस यात्रा में राजस्थान के अलग-अलग जिलों में लोगों के साथ जनसंवाद, सम्मेलन, संगोष्ठी व हस्ताक्षर अभियान रखा गया था।

इस यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से एकल नारी शक्ति संगठन, कोटा द्वारा एक सम्मेलन राजकीय वोकेशनल विद्यालय, कोटा में आयोजित करवाया गया। जिसमें अलग-अलग जिलों से संस्था व जनसंगठनो से आये प्रतिनिधियों ने सम्मेलन को सम्बोधित किया व अपने विचार रखे। जिसमें आक्सफोर्ड शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान से अनवार अहमद, हाड़ौती संस्था से चतुभुर्ज जी व उच्चतम न्यायालय आयुक्त के सलाहकार अशोक जी व अन्य संस्था प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अशोक जी द्वारा अपने संबोधन भाषण में अपने विचार रखते हुए बताया कि भारत एवं राजस्थान में भुखमरी और कुपोषण एक गम्भीर समस्या है। इसके लिए प्रभावी राशन व्यवस्था हो और हर 55 वर्ष से बड़े व्यक्ति को 2000 रूपया पेंशन मिले। सम्मेलन में एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य शिमला गौत्तम द्वारा खराब गुणवत्ता वाला राशन दिये जाने की बात कही।

अगले सत्र में गिरिराज नायक द्वारा बताया कि खुले गौदामों में गेहूं सड़ने की प्रकिया जारी है। दूसरी ओर प्राईवेट कम्पनियां जो सस्ते में अनाज किसानों से लेकर ऊंचे दामों में वितरण करेंगी। जिसका सीधा असर गरीब की थाली पर पड़ेगा। सम्मेलन में पीयुसीएल की अध्यक्ष व रोजी रोटी अधिकार अभियान से श्रीमती कविता श्रीवास्तव द्वारा बताया कि भारत में अनाज की कोई कमी नहीं है फिर भी बड़े पैमाने पर बच्चे, बूढे एवं व्यस्क भूखे और कुपोषित हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नगद भुगतान देकर पूरी राशन व्यवस्था को ही समाप्त करने की ओर कदम बड़ा रही है। इस यात्रा के दौरान 29 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक अलग-अलग जिलों में खाद्ध सुरक्षा को लेकर जो समस्याऐं निकल कर आई उन्हें आस्था संस्थान से श्याम मेनारिया द्वारा सम्मेलन में उपस्थित लोगों के सामने बताया।

-पृष्ठ-1 का शेष..... ## राज्य स्तरीय मुस्लिम महिलाओं का.....

खाद्य वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा बिल व बी0पी0एल सर्वे के बारे मे बताया गया।

आस्था संस्थान से डा0 जीनी श्रीवास्तव द्वारा संगठन का इतिहास, संगठन अध्यक्ष मीरा पालीवाल द्वारा संगठन का महत्व व ढ़ांचा, कोषाध्यक्ष कमल पथिक द्वारा संगठन के उद्वेश्य पर प्रकाश डाला गया। अलग-अलग छोटे समूह में एकल महिलाओं की समस्या पर चर्चा की गई जिसमें मुख्य रुप से जो समस्याऐं निकलकर आयी वो हैं- तलाक की समस्या व ज्यादा पत्नियां रखना, भरण पोषण की समस्या, मेहर व इद्दत की राशि लेने में समस्या, रोजगार व कम मजदूरी की समस्या, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य की समस्या, सामाजिक कुरितियां आदि निकलकर सामने आयी।

इसके अलावा संभागियो को शिक्षा के माध्यम से स्वयं का विकास , स्वास्थ्य सम्बधित योंजनाऐ, विधवा, वृद्वा, तलाकशुदा व विकलांग पेंशन योजना के नियम व प्रकिया, विधवा पालनहार योजना, विधवा पुर्नविवाह योजना श्रम विभाग की हिताधिकारी योजना, जिला स्तर पर महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र के कार्यो के बारें मे बताया गया।

सम्मेलन के अंतिम दिवस सभी संभागियो के साथ सम्मेलन का मुल्यांकन किया गया जिसमे आयी मुस्लिम एकल महिलाओं ने तीन दिन के अपने अनुभवो को बांटा और बताया कि हमे यहां आकर बहुत अच्छा लगा, नयी-नयी जानकारीयां मिली, और एक नयी शक्ति आयी है कि अब हम अकेले नही है, पहली बार घर से निकलने का अनुभव रहा, तलाक सम्बधित गलत धारणा थी वो भी दिमाग से साफ हुई, ऐसे सम्मेलन होते रहने चाहिए।

नये ब्लॉकों में संगठन का विस्तार

एकल नारी शक्ति संगठन का राजस्थान में विस्तार करने के लिए प्रतिवर्ष 10 नये ब्लॉकों को संगठन से जोड़ा जाता है। राजस्थान में इन ब्लॉकों की वे महिलाऐं जो अपने आप को कमजोर समझती हैं, जो समस्याओं से लड़ने की हिम्मत नहीं बना सकती वो महिलाऐं भी संगठन में जुड़ कर अपनी समस्याओं से पूरी शक्ति के साथ लड़ सकती है।

इस बार संगठन का कार्यक्षेत्र बढ़ाते हुए उदयपुर कलस्टर में पाली जिले का रोहट ब्लॉक का गठन दिनांक 13.09.2012 को किया गया। जिसमें 125 संभागियों ने भाग लिया। रोहट ब्लॉक में संगठन की एक बड़ी बैठक रखी गई थी। जहां भाग लेने वाली सभी महिलाओं को संगठन के महत्व, संगठन का ढांचा, उद्धेश्य व संगठन के कार्यो के बारे में बताया गया था। इस बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत से तीन-तीन ब्लॉक कमेटी सदस्यों का चुनाव किया गया। अब यहां भी हर माह संगठन की मासिक बैठक आयोजित की जायेगी।

पेंशन की मांग को लेकर जयपुर में विशाल धरना

जयपुर, 13 अगस्त को पेंशन परिषद द्वारा उद्योग मैदान, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर पर पेंशन की मांग व एपीएल, बीपीएल को समाप्त करने जैसी मुख्य मांगों को लेकर राजस्थान के 33 जिलों से 6000 लोगों ने एक दिवसीय धरना दिया। जिसमें कई समाज सेवी संस्थाऐं, जनसंगठनों के साथ ही एकल नारी शक्ति संगठन की 175 महिलाओं ने इस धरने में विधवा व वृद्धावस्था पेंशन को लेकर अपनी आवाज उठाई। धरने में आये कई बुर्जुगों व एकल महिलाओं ने अपने-अपने विचार रखे व अपनी समस्याओं को सबके सामने रखा।

मुख्य मांगे निम्न प्रकार थी :-

1. एपीएल, बीपीएल व्यवस्था समाप्त कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सर्वव्यापी करने के साथ राष्ट्रीय खाद्ध सुरक्षा विधेयक लाया जाये।
2. वृद्धा पेंशन को सर्वव्यापी बनाने की मांग जिसमें प्रत्येक माह लगभग 2000 रूपये की सम्मानित राशि दी जाये।

धरने में इन लोगों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री आये, उन्होंने सम्बोधित करते हुए सभी को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार पेंशन परिषद के सर्वमान्य पेंशन की तर्क संगत मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार करेगी। उन्होंने कहा मैं हमेशा सामाजिक सुरक्षा के मसले का समर्थन करता आया हूँ। मुख्यमंत्री के साथ ही अन्य राजनैतिक दलों के प्रतिनिधी, नीति निर्धारक, महिला संस्थान, मानवाधिकार संगठन व वरिष्ट वकीलों ने भी धरने को संबोधित किया व सभी मांगों का समर्थन किया।

-पृष्ठ-1 का शेष..... ## तीन दिवसीय जिला स्तरीय .....

द्वारा एकल महिलाओं को ग्राम सभा का महत्व व महिलाओं की भूमिका की जानकारी दी। संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं को संगठन के उद्देश्य, महत्व, ढांचे की विस्तार से जानकारी दी गई।

रात्रि सत्र में महिलाओं द्वारा शिक्षाप्रद रोलप्ले, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये व मेहन्दी व बिन्दी लगाकर अपने रीति रिवाजों का बदलाव किया गया।

सम्मेलन के अंतिम दिन संभागियों द्वारा बागड़ धर्मशाला से जिला कलेक्ट्री तक एक विशाल रैली जोशपूर्ण गीत-नारों के साथ निकाली व अपनी मांगों का ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलेक्टर को दिया गया, मांगे इस प्रकार थी :-

1. पेंशन राशि 500 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपये की जाये।
2. सभी विधवा गरीब महिलाओं को पेंशन मिले व 25 साल के बेटे का नियम हटाया जाये।
3. सभी एकल महिलाओं को बीपीएल से जोड़ा जाये।
4. पेंशन राशि प्रतिमाह समय पर मिलनी चाहिए।
5. डायन/डाकन कहने पर प्रभावी कानून बनाया जाये।
6. आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों में पोषाहार बनाने हेतु विधवा/परित्यकता महिलाओं को प्राथमिकता से लगाया जाये।

संगठन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक आयोजित

''हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी हैं'' ''लड़ेंगे, जितेंगे'' इस प्रकार के जोश भरे गीतों व नारों के साथ दिनांक 28-29 जुलाई, 2012 को पोरवाल धर्मशाला, जिला कोटा में एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक आयोजित की गई। जिसमें 29 जिलों के 73 संभागियों ने भाग लिया।

बैठक में उपस्थित सभी संभागियों ने अपने-अपने जिलों में किये गये चार माह के संगठन कार्यो का जिलेवार प्रस्तुतीकरण किया। जिसमें नये सदस्यों की संख्या, संगठन बिल्ला वितरण, विशेष केस, सरकारी योजनाओं से एकल महिलाओं को जोड़कर दिलवाये जाने वाले लाभ व अपने-अपने जिलों में होने वाले विशेष संगठन के कार्यो की रिर्पोटिंग की गई। इस बार संगठन के कुल नये सदस्य 1155 बनाये गये। दो दिवसीय बैठक में लाली धाकड़ व चन्द्रकला शर्मा द्वारा लॉबिंग के बारे में बताया कि दिनांक 9 .7.12 को जयपुर में शान्ति बाई, रेखा, सावित्री, लाली, चन्द्रकला शर्मा द्वारा सरकार के पदाधिकारियों के साथ लॉबिंग की। जिसमें सभी सदस्य मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव अदिती मेहता, समाज कल्याण मंत्री सरिता सिंह से मिले व संगठन की मांगो के बारे मे बताया गया। अगले सत्र में दिनांक 9-11 मई, 2012 को पेंशन परिषद धरने में भाग लेने वाले संभागियो द्वारा रिर्पोट प्रस्तुत की गई। चन्द्रकला शर्मा द्वारा जयपुर में 15-16 अगस्त 2012 को हुई एकता परिषद की राष्ट्रीय बैठक महिला भूमि अधिकार के बारे में बताया कि इस बैठक में 24 राज्यो से संगठन व स्वंय सेवी संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें जनसत्याग्रह 2012 के बारे मे चर्चा की गई व महिला भूमि अधिकार के मुद्दों व मांगो पर चर्चा की गई साथ ही 2 अक्टुबर से 29 अक्टूबर तक ग्वालियर से भूमि अधिकारो की मांगो को लेकर आयोजित की जाने वाली यात्रा के बारे में भी चन्द्रकला जी द्वारा सदस्यों को बताया।

बैठक में मीनाक्षी जी द्वारा अजमेर में आयोजित कठपुतली प्रशिक्षण के बारे में बताया व यु0एन0वुमन के बारे में भी चर्चा की तथा छग्गी बाई ने 29 जून 2012 को अजमेर में महिला जन अधिकार समिति द्वारा डायन/डाकन के मुद्दे पर एक दिवसीय बैठक के बारे में बताया कि इस बैठक का उद्देश्य था कि डायन/डाकन पर बिल पास होना चाहिए।

इसके अलावा बैठक में दिनांक 24-26 जून, 2012 को अहमदाबाद में एकल महिलाओं की समस्याओं पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के बारे में तथा दिल्ली में दिनांक 25-27 जून, 2012 को निरन्तर द्वारा आयोजित एक तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में भी बताया गया। **बैठक में** संगठन कार्यकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का मूल्यांकन किया गया।

दिनांक 7-9 जून, 2012 को निष्ठा संस्थान में राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच बैठक के बारे में भी चर्चा की गई साथ ही आगामी लोबिंग दिसम्बर माह में करने तथा आगामी राज्य स्तरीय सदस्य बैठक दिनांक 1-2 दिसम्बर, 2012 को उदयपुर में आयोजित करने के बारे में निर्णय लिया गया।

जोशपूर्ण नारों व गीतों के साथ बैठक का समापन किया गया।

महिला नेतृत्वकर्ता साक्षरता शिविर में बहनों ने सीखा पढ़ना-लिखना

शिक्षा अधिकार सन्दर्भ इकाई द्वारा साक्षरता कन्डेन्सड कोर्स के तहत 15 से 19 सितम्बर 2012 में विभिन्न जन संगठनो से जुड़े नेतृत्वकर्त्ताओं के लिये महिला नेतृत्वकर्ता साक्षरता शिविर आयोजित किया गया जिसमें कुल 30 महिलाओं व दो पुरूष सहभागीयों ने पढ़ने-लिखने हेतु सक्रिय भागीदारी निभाई और पढ़ना लिखना सीखा। इस शिविर में ए.ना.श.संगठन उदयपुर संभाग से 14 व कोटा से 7 सहभागी, गोडवाड़ आदिवासी संगठन बाली से 5 महिला व 2 पुरूष सहभागी, राजस्थान अधिकार मंच,बिजोलिया से 4 सहभागियों ने भाग लिया।

शिविर में मुख्य रूप से निम्न गतिविधियां कराई गई-

- चित्रों द्वारा अक्षर ज्ञान में स्वर व्यंजन एवं मात्राओं का ज्ञान
- शब्द व वाक्य बनाना।
- कहानी,कविता व अखबार पढ़ना।
- सरल वाक्य पढ़ना व लिखना।
- 0 से 10 गिनती पढ़ना,पहचानना एवं लिखना सीखना
- 1 से 100 तक गिनती लिखना व पहचानना।
- मौखिक इबारती सवाल।

इस शिविर में दो समूहों में शिक्षण कार्य करवाया गया। शब्द बनाना ,वाक्य बनाना, किताब /अखबार पढ़ना समझना , अपनी बात लिखना एवं अंक ज्ञान में गिनती ,हासिल वाली जोड-बाकी करना , छोटा-2 मौखिक इबारती हिसाब किताब करना आदि सिखाया गया।

उमड़ते सौ करोड़ (वन बिलियन राईजिंग)

विश्व में महिलाओं के साथ हिंसा और दुराचार हमारे घरों, समुदायों और देशों में संघर्ष और अस्थिरता का रूप ले चुका है। औरतों पर बढ़ती हिंसा आज हम सबका मुद्दा बन चुका है, क्योंकि दुनिया की आधी आबादी अगर असुरक्षित और पीड़ित है तो देश और समाज किसी सूरत में सुरक्षित नहीं रह सकते। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार हर तीन में से एक औरत हिंसा का सामना करती है, यानि दुनिया में 100 करोड़ औरतें हिंसा का शिकार हो रही है।

> आईये 14 फरवरी, 2013 को इस अभियान में महिला हिंसा के विरूद्ध सड़कों पर आये और महिला हिंसा का विरोध करें।

इसलिए सौ करोड़ लोगों का उमड़ता सैलाब। एक आम अभियान या आंदोलन नहीं है। यह एक प्रण है कि हिंसा और बलात्कार की संस्कृति खत्म हो।

लोगों की सोच बदले, समाज बदले, देश और दुनिया बदले। 14 फरवरी 2013 को यह अभियान दुनिया को झकझोर देने का इरादा रखता है। दुनिया भर के देश अभियान में हिस्सा लेंगे। दुनिया के 160 देश दक्षिण एशिया के 8 देश भारत के 17 राज्य अब तक इस उमड़ते सैलाब में जुड़ चुके हैं। आईये हम भी इस अभियान का हिस्सा बने, हम जहां भी हो, जैसे भी हो, जो भी करें ...बस एक ही हमारा प्रण हो - हिंसा को जड़ से मिटाना है, बराबर का हक पाना है।

विधवा महिला सम्मेलन आयोजित

दिनांक 4 से 6 सितम्बर 2012 तक आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला उदयपुर में आयोजित विधवा सम्मेलन में आसपुर, रेलमंगरा, आमेट, निम्बाहेड़ा, उदयपुर शहर की कुल 115 विधवा महिलाओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समाज में विधवा महिलाओं की स्थिति को बेहतर समझना व समस्याओं का पता लगाना, संगठन के महत्व को समझाना संगठन के उद्देश्यों, ढांचे को बताना, ग्राम स्तर से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रशासनिक, राजनैतिक ढांचे को समझना, विधवा महिलाओं से संबन्धित कानून को जानना, सरकारी योजनाओं व स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी देना था।

सम्मेलन में विधवा महिलाओं की समस्याओं को जानने व समाधान निकालने के लिए बनाये गये 6 छोटे समूह में जो समस्याऐं निकल कर आई उनमें जमीन सम्पत्ति में अधिकार नहीं है, सरकारी योजनाओं तक सभी महिलाओं की पहुंच नहीं है, विधवा को डायन/डाकन कहकर अपमानित किया जाता है, सामाजिक रीति रिवाजों में आगे नहीं आने देते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए बहनों को जानकारी दी गई। रात्रि सत्रों में कठपुतली शो व शिक्षाप्रद रोल प्ले प्रस्तुतिकरण कर विश्लेषण किया गया। दूसरे दिन शुचि अभियान से कन्हेयालाल डांगी द्वारा वर्मी कम्पोष्ट की जानकारी दी गई। आस्था से अश्वनी पालीवाल जी द्वारा राजनैतिक प्रशासनिक ढांचा बताया गया। अर्थ संस्थान द्वारा स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त खुला विश्व विद्यालय, सरकारी योजनाओं की जानकारी कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई। एडवोकेट वंदना जी द्वारा कानूनी जानकारी व आस्था संस्थान से श्याम जी द्वारा रोजगार गारंटी कानून की जानकारी दी गई।

सम्मेलन के दौरान समूह चर्चा करती हुई संभागी

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की सलाहकार समिति बैठक आयोजित

''एकल नारी ने किया आगाज, दुनिया वालों सुन लो आज'' जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ दिनांक 1-2 नवम्बर, 2012 को दिल्ली में राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की सलाहकार समिति सदस्यों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें देश में 7 राज्य राजस्थान, बिहार, गुजरात, झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र व पंजाब की एकल बहनों, सहयोग समिति सदस्य व अतिथियों सहित लगभग 107 संभागियों ने भाग लिया।

सलाहकार कमेटी की दो दिवसीय बैठक में सभी 7 राज्यों की वार्षिक कार्य रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण जिसमें सरकार के साथ संगठनों द्वारा प्रयास से नीति बदलाव कार्य रिपोर्ट, सदस्य संख्या, एकल महिलाओं की स्थिति, सरकार की एकल महिला के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाऐं व कार्य अनुभव का आदान प्रदान, विशेष केस स्टेडी आदि बताये गये तथा बताया कि संगठन के 7 राज्य के सदस्यों की संख्या 79,223 हो चुकी है। बैठक में केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष व अन्य एक्टिविस्ट द्वारा महिलाओं को संबोधित किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ममता शर्मा द्वारा

रा0ए0ना0 अधिकार मंच सलाहकार बैठक में मंच पर उपस्थित अतिथि रा0म0आ0 अध्यक्ष ममता शर्मा व पैनल के सदस्य

अपने उद्बोधन में कहा कि अन्य महिलाओं के जैसे समान अधिकार और हक की बात एकल नारी के लिए भी हो, एकल महिलाओं के बच्चों को स्कॉलरशिप मिलना चाहिए व पेंशन राशि 1000-1500 रूपये होनी चाहिए। इसके लिए केन्द्र से सिफारिश आयोग द्वारा की जायेगी। गिल्ड ऑफ सर्विस से डॉ0 मोहिनी गिरी ने कहा कि आप आगे बढ़े, पूरी दुनिया आपके साथ हैं, ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन सचिव नीरज श्रीवास्तव व चरणजीत सिंह ने महिला के भुमि अधिकार संबन्धित जानकारी दी व कानूनों के बारे में बताया। राज. एकल नारी शक्ति संगठन की कठपुतली टीम द्वारा डायन/डाकन पर रोल प्ले प्रस्तुत किया गया। जागोरी संस्था से श्रीमती सुनिता धार द्वारा वन बिलियन राईजिंग केम्पेन (उमड़ते सौ करोड़) के बारे में बताया गया कि 14 फरवरी 2013 को यह अभियान दुनियां को झकझोर कर रख रेने का इरादा रखता है इस पर सभी 7 राज्यों के सदस्यों ने अपने-अपने राज्यों में इसे धूमधाम व जोशपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया। बैठक में दक्षिण एशिया की यू0एन0विमेन उपक्षेत्रिय निदेशक सुषमा कपूर ने भी महिलाओं को उद्बोधन दिया। इसके पश्चात् बैठक में पूरे वर्ष की वार्षिक आयोजना तैयार की गई तथा केन्द्र सरकार के मंत्री व जन सचिवों के साथ की गई लॉबिंग के अनुभवों व मांगों के बारे में बताया। इसी बीच एक प्रेस कांन्फ्रेंस भी आयोजित की गई।

इसके पश्चात् जोशपूर्ण गीत व नारों ''तोड़-तोड़ के बन्धनों को देखो बहने आती है'', राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच, जिन्दाबाद्, जिन्दाबाद' के साथ बैठक का समापन किया गया।

जमना बाई ने संगठन की मदद से लिया अपने पिता की जमीन में हिस्सा

जमना बाई ग्राम पंचायत पड़सिया, तहसील पर्वतसर, जिला नागौर की रहने वाली है। यह एकल नारी शक्ति संगठन की ब्लॉक कमेटी की सदस्य है। यह काफी समय से अपने पीहर में ही रहती है क्यों कि इसके ससुराल वालों ने इसे मारपीट कर घर से निकाल दिया था।

जमना बाई के पिता की दो संतानों में दो पुत्रीयां है। इनमें से एक जमना बाई और दूसरी कमला बाई है। जमना बाई के पिता जी ने मरने से पहले अपने हिस्से की जमीन में जमना बाई और कमला बाई का नाम लिखवा दिया था तथा जमीन में अन्य नाम उसके चाचा जी का था। इसलिए जमना बाई के चाचाजी की यह सोच थी कि यदि जमना बाई यहां से ससुराल चली जाये तो वे जमना बाई की जमीन पर कब्जा कर लेंगे।

इसलिए जमना बाई के चाचाजी व उनके परिवार वाले इन्हें परेशान करते थे और गन्दे-गन्दे ताने मारते थे। कहते थे कि एक बार शादी होने के बाद औरत का ससुराल ही सब-कुछ होता है। इस तरह औरतें अपने पीहर में आकर नहीं रहने लग जाती। जब परेशानी काफी बढ़ गई तब जमना बाई ने संगठन की सदस्या बाला देवी को फोन पर सारी बात बताई। उसके कुछ दिन बाद बाला देवी व संगठन की सदस्याओं ने मिल कर जमीन के कागज उसकी मां के पास लेकर गये और साथ ही पवन शर्मा वकील साहब से भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि चालू खाता व खातौनी की नकल निकलवाओ। नकल निकलवाने पर पता चला की जमीन की नकल में जमना बाई, इसकी बहन कमला बाई और चाचाजी का भी नाम है। फिर एक दिन जमना बाई, बाला देवी, सोहन कंवर और संगठन की सदस्य मिल कर दिनांक 14.7.2012 को पर्वतसर एसडीओ कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र देकर आये कि जमीन में जिस-जिसका नाम है उनके नाम से अलग-अलग के खाते जमीन कर दी जाये। इसका आदेश आ गया है। और जमीन अलग-अलग नाम से खाते चढ़ गई है।

जमना बाई खुश है कि संगठन की मदद से आसानी से उसे उसकी जमीन मिल गई। अब वह स्वयं जमीन पर खेती कर अपना गुजर बसर कर सकती है।

विशेष रही केन्द्र सरकार के साथ मंच की लॉबिंग

राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच द्वारा सन् 2012 में केन्द्रीय सरकार के साथ एकल महिलाओं से जुड़े कई मुद्दों पर लॉबिंग की गई। जिसमें मार्च माह में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग व शहरी विकास मंत्रालय तथा अगस्त माह में योजना आयोग व ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ मंच के कार्यकर्ताओं व एकल नारी शक्ति संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा लॉबिंग की गई। लॉबिंग हेतु कार्यकर्ता राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री वजाहत हबिबुल्ला, शहरी विकास मंत्रालय के सह सचिव श्री वी0के0 शर्मा, ग्रामीण विकास मंत्री श्री जयराम रमेश तथा योजना आयोग की सदस्या सईदा हमीद से मिले और उनके सामने अपनी मुख्य मांगों को रखा।

लॉबिंग की सभी मुख्य मांगे निम्न प्रकार थी :-

- काजी द्वारा करवाये गये तलाक को कानूनी मान्यता दी जाये।
- सभी शहरी गरीब एकल महिलाओं को बीपीएल सूची में शामिल किया जाये।
- बीपीएल के आधार को वास्तविक बनाया जाये।
- शहरी एकल महिलाओं के लिए आवासीय योजना जैसे इन्दिरा आवास योजना शुरू की जाये।
- शहरी एकल महिलाओं के लिए रोजगार गारन्टी योजना शुरू की जाये।
- संयुक्त पट्टा तथा विस्थापित एकल महिलाओं के लिए पुर्ननिर्वासन की व्यवस्था की जाये।
- एकल महिलाओं के नाम जमीन का संयुक्त पट्टा होना चाहिए।
- जब तक कोर्ट में केस चल रहे हैं तब तक जमीन एकल महिलाओं के अधिकार में होनी चहिए।
- एकल महिलाओं की जमीन पर महानरेगा के कार्य प्राथमिकता से करवाये जाये।
- केन्द्रीय स्तर पर डायन/डाकन कानून बनाया जाये।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 2000/-रूपये प्रति महीना की जाये और इस में जो शर्ते लागू हैं उन्हें समाप्त किया जाये। पंचायत प्रधान के प्रमाण पत्र के आधार पर सबको पेंशन मिलनी चाहिए।
- खुला विश्वविद्यालय में एकल महिलाओं को कम फीस में प्राथमिकता देना चाहिए।

लॉबिंग विशेष रही क्यों कि लॉबिंग के दौरान केन्द्र सरकार के विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा मांगों को ध्यान पूर्वक पढ़ा और उन्हें पूरी करने के लिए सदस्यों को आश्वासन दिया।

संगठन की सदस्याओं ने संगठन के प्रति अपनी सोच और अपने मन की बात को कागज पर लिख कर, गीत लिखकर तथा चित्रों के माध्यम से इस तरह बताया

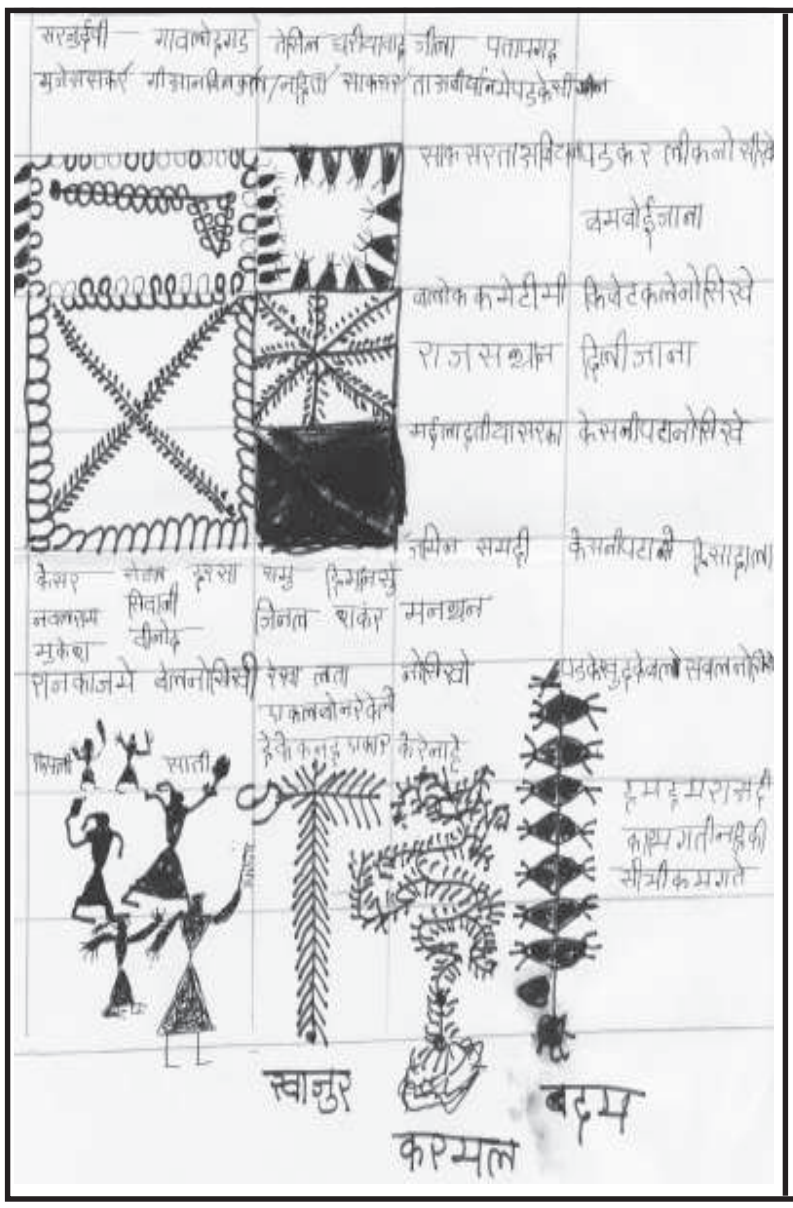

गीता बाई, झालावाड़

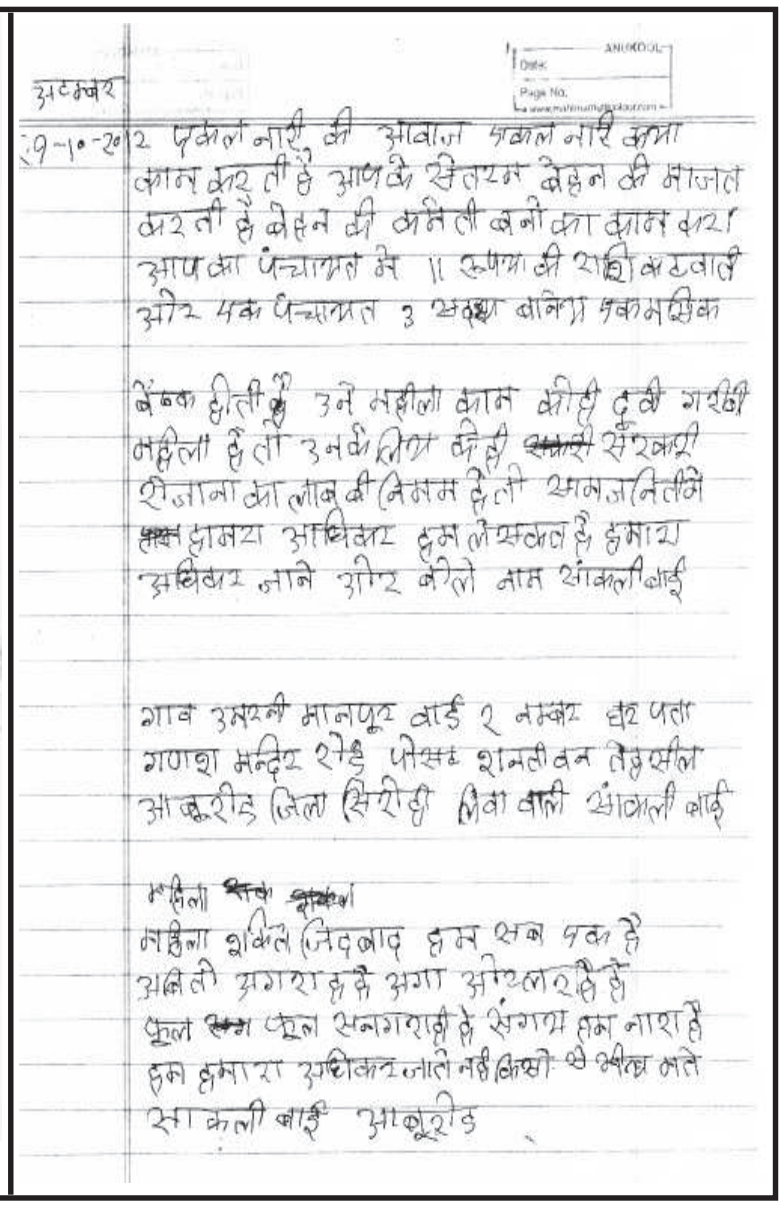

संगठन का गीत

मेरी बहनों से मिलने का, संगठन ही बहाना है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा रिस्ता पुराना है।।
बहुओं ने मारा मुझे, बेटों ने निकाला है।
संगठन की बहनों ने, मुझे सीने से लगाया है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा .....
सास ने मारा मुझे, ससुर ने निकाला है।
जेठ, और जैठानी ने मुझे डायन बताया है।
संगठन की बहनों ने मुझे सीने से लगाया है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा .....
गांव वालों ने बहकाया मुझे, सरपंच ने डराया है।
संगठन की बहनों ने, मुझे रास्ता दिखाया है।
सामाजिक बन्धन में, कुरितियों से जकड़ी थी,
मेहन्दी और बिन्दी का, सम्मान दिलाया है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा .....
चार दीवारी से निकाला मुझे, पंचायत में पहुंचाया है।
सरकारी योजनाओं का मुझे, लाभ दिलवाया है।
पंचायत से लेकर मुझे, ब्लॉक तक पहुंचाया है।
ससुराल और पीहर से , मेरा हक भी दिलवाया है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा .....
बहनों से मिलने का, संगठन ही बहाना है।
गांवों से निकाल कर हमें, दिल्ली तक पहुंचाया है।
मंत्री और सचिवों से हमें, मिलना सिखाया है।
हमे जीना सिखाया है।
दुनियां वाले क्या जाने, मेरा .....

- द्वारा : संगठन कार्यकर्ता, कोटा टीम

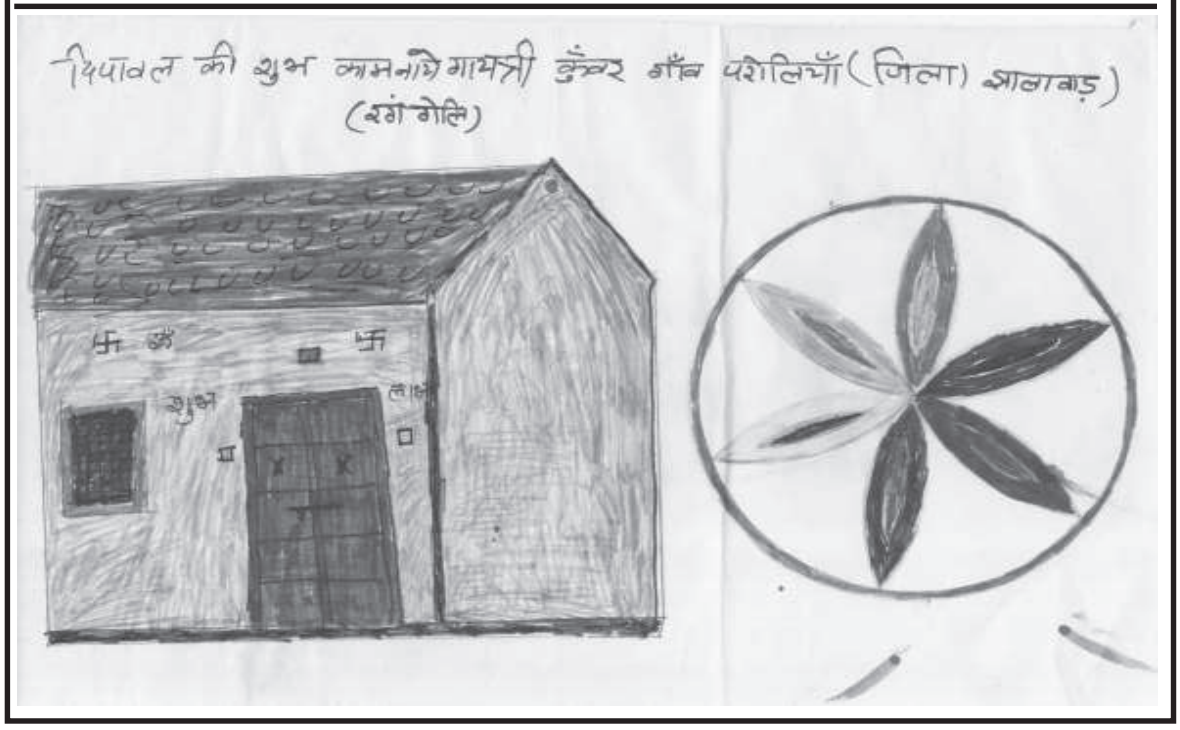

बहणा चैत सके तो चैत, जमानो आयो चैतण रो...

आयोजित प्रशिक्षणों में बांसवाड़ा प्रशिक्षण के दौरान रस्सी की मजबूती द्वारा संगठन की शक्ति की सीख देती हुई तथा सवाईमाधोपुर प्रशिक्षण में गीत गाकर वातावरण निर्माण करती सदस्याऐं।

ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की गरीब एकल, विधवा व परित्यकता महिलाओं को सशक्त करने के लिए संगठन का महत्व, उद्देश्य व संगठन निर्माण की प्रकिया की जानकारी तथा संगठन के ढांचे की जानकारी, ब्लॉक कमेटी सदस्यों की भूमिका की जानकारी, विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी जाती है। संगठन की ओर से कोटा और उदयपुर कलस्टर में पांच स्थानों पर ब्लॉक कमेटी प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस कम में:-

पहला प्रशिक्षण :- दिनांक 07 से 10 अगस्त, 2012 को स्थान जाट विश्राम स्थली पुष्कर में आयोजित किया गया। जिसमें अराई, पर्वतसर, पीसांगन, रिया, जालौर, आहोर ब्लॉकों की कुल 110 संभागियों ने भाग लिया।

दूसरा प्रशिक्षण :- दिनांक 2 से 5 सितम्बर, 2012 को श्री अग्रसेन धर्मशाला, सवाईमाधोपुर में आयोजित किया गया। जिसमें सवाईमाधोपुर, गंगापुरसिटी, बौली, खण्डार, बस्सी व चौथ का बरवाड़ा ब्लॉकों से कुल 122 बहनों ने भाग लिया।

तीसरा प्रशिक्षण :- दिनांक 23 से 26 सितम्बर, 2012 को स्थान सिन्धु सागर धर्मशाला, बांसवाड़ा में आयोजित किया गया। जिसमें बागीदोरा, कुशलगढ़, घाटोल, तलवाड़ा, गढ़ी, आनन्दपुरी ब्लाकों से कुल 70 संभागियों ने भाग लिया।

चौथा प्रशिक्षण :- दिनांक 28 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2012 तक स्थान मधुवन रिसोर्ट, जिला बांरा में आयोजित किया गया। जिसमें बांरा जिले के छीपाबड़ौद, अंता, बांरा, शाहबाद, छबड़ा व अटरू ब्लॉकों से कुल 105 संभागियों ने भाग लिया।

पांचवा प्रशिक्षण : दिनांक 23 से 26 जुलाई, 2012 को दिगम्बर गेस्ट हाउस, चुरु में आयोजित किया गया। जिसमें तारानगर, रतनगढ़, सुजानगढ, भाद्रा, नोहर व लाड़नू ब्लॉकों से 60 ब्लॉक कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। **गीत व नारों के साथ वातावरण निर्माण कर प्रशिक्षण की शुरूआत की गई और फिर बहनों ने अपना-अपना परिचय दिया। बहनों को संगठन के उद्देश्य बताये गये व उनसे अपेक्षाऐं पूछी गयी। छोटे समूहों के माध्यम से सभी ब्लॉक कमेटी सदस्यों की समस्याऐं निकलवायी गई। जिनमें समय पर पेंशन न मिलना, चयनित में नाम नहीं होना, नरेगा में पूरी मजदूरी नहीं मिलना इसके अलावा पारिवारिक समस्याऐं थी। इनमें से मुख्य समस्याओं को निकाल कर प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों से पधारे संदर्भ व्यक्तियों के सामने रखा।** प्रशिक्षण के रात्रि सत्र में पेंशन प्रक्रिया, रिवाज परिवर्तन, जमीन पर अधिकार को लेकर शिक्षाप्रद रोल-प्ले प्रस्तुत किये गये तथा बहनों ने अपने हाथों में मेंहन्दी व माथे पर बिन्दी लगाकर पुराने रीति रिवाजों को तोड़ा। पांचों ही प्रशिक्षणों में महिलाओं को विभिन्न विभागों की जानकारियां देने हेतु संदर्भ व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था जिसमें वकील ,महिला रोग विशेषज्ञ, विकास अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, थानाधिकारी, रसद अधिकारी,मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला प्रमुख, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र व नरेगा से पधारे संदर्भ व्यक्तियों ने अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी ब्लाक कमेटी सदस्याओं को दी तथा बहनों ने भी अपनी समस्याओं के समाधान संदर्भ व्यक्तियों से पूछे।

अंतिम दिन पुलिस थाने का भ्रमण करवाया गया वहां पर उपस्थित एसआई, थानाधिकारी द्वारा महिला डेस्क, एफआईआर प्रकिया, तथा महिलाओं को कानूनी जानकारी दी।

कुछ महिलाओं ने बताया कि उन्हें पहले थाने में जाते हुए डर लगता था लेकिन अब वो डर निकल गया है। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी बहनों ने जोश के साथ नारे लगाये ''हम अपना अधिकार जानते नहीं किसी से भीख मांगते, एकल नारी कभी न हारी।

lsok esa] cqd iksLV

Jheku@Jherh --

irk --

-- fiu dksM ----------------------

एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

क्र.सं.	जिला	ब्लॉक	सदस्य
1.	अजमेर	9	4064
2.	राजसमंद	5	1977
3.	सिरोही	3	843
4.	डूंगरपुर	5	1063
5.	बांसवाड़ा	6	668
6.	उदयपुर	8	3015
7.	भीलवाड़ा	6	2117
8.	जोधपुर	5	979
9.	नागौर	4	2030
10.	जालोर	2	912
11.	पाली	5	1387
12.	चित्तौड़गढ़	4	867
13.	टोंक	5	896
14.	बारां	6	2259
15.	बूंदी	4	1344
16.	अलवर	3	965
17.	सवाईमाधोपुर	5	1036
18.	जयपुर	4	1216
19.	कोटा	6	1945
20.	दौसा	4	1160
21.	बाड़मेर	4	785
22.	सीकर	4	665
23.	चुरू	3	1965
24.	झालावाड़	6	2569
25.	जैसलमेर	3	1150
26.	करौली	3	732
27.	प्रतापगढ़	4	680
28.	भरतपुर	3	649
29.	बीकानेर	2	146
30	हनुमानगढ़	2	239
31	झुंझनू	1	35
		134	40,358

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -

एकल नारी शक्ति संगठन

-: पता :-

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर-313004 (राज.)

फोन :0294-2451348 फैक्स :0294-2451391

3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324008

फोन : 0744-2450726 फैक्स : 0744-2329536

ईमेल : astha39@gmail.com

ईमेल : enss_kota@yahoo.com

ईमेल : ensskota@gmail.com

Website: www.strongwomenalone.org